तापमान

अधिकतम 31.4 डिग्री

न्यूनतम 16.6 डिग्री

हरिभूमि

बालोद भूमि

रायपुर, शनिवार 17 अक्टूबर 2026

बालोद | अर्जुंदा | गुंडरदेही | देवरी बंगला | डौंडीलोहारा | डौंडी | अंडा | गुरूर | दल्लीराजहरा | कलंगपुर | लाटाबोड़

12 चैतन्य देवियों की भव्य झांकी और शिव ज्ञान प्रदर्शनी, उमड़ी श्रद्धालुओं ...



11 मां झरन मैय्या मंदिर में प्रज्ज्वलित हुईं 55 ज्योतियां...



नवरात्रि विशेष



सप्तमी : कालरात्रि

माता दुर्गा की सातवीं शक्ति कालरात्रि नाम से विख्यात है। सातवें नवरात्रि की मां कालरात्रि के पूजन का विधान है। मां का यह स्वरूप अत्यंत भयानक है। इनके शरीर का रंग घने अंधकार की तरह काला है। सिर के बाल बिखरे हुए हैं। गले में बिजली की भांति चमकने वाली माला है। लेकिन मां का यह रुप सदैव शुभ फल देने वाला है। इसी कारण इनका एक नाम शुभंकरी भी है। मां कालरात्रि अपने भक्तों को दुष्टों से बचाने वाली है। कालरात्रि मां ग्रह बाधा को दूर भगाती है। मनुष्य को मन से कालरात्रि की अवश्य करना चाहिए। मां कालरात्रि उपर से उठे हुए दाहिने हाथ अभयमुद्रा में है। बांया तरफ के उपर वाले हाथ में लोहे का कांटा और नीचे वाले हाथ में खडग है। माता के इस रुप की पूजा करने वाले भक्त का मन सहस्रार चक्र में स्थित रहता है। मां की पूजा मात्र से भक्तों के सारे कष्ट दूर होने लगते हैं। उसके लिए ब्रह्मांड की संपूर्ण सिद्धियों के द्वार खुलने लगते हैं। इनकी पूजा- करने वाले को अग्नि भय,जल भय, शत्रु भय, रात्रि भय कभी नहीं होते। इन मां की कृपा से भक्त सर्वथा भय से दूर रहता है। मां कालरात्रि भक्तों को सदैव सुख देने वाली है। इनकी उपासना का श्लोक है-

एकवेणी जपाकर्णपूरा नग्ना खरास्थिता।
लम्बोष्ठी कर्णिकाकर्णी तैलाभ्यक्तशरीरिणी।।
वामपादोल्लसल्लोहलताकण्टकभूषणा।
वर्धनमूर्धध्वजा कृष्णा कालरात्रिर्भयंकरी ।।

भालुकोन्हा में राज दशहरा से पहले पर्व मनाने की है अनूठी परंपरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ डौंडीलोहारा

समीपस्थ ग्राम भालुकोन्हा में दशहरा पर्व पारंपरिक रीति-रिवाजों और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जय बजरंग अखाड़ा दल जुंगेरा की सहभागिता रही।

पर्व में गांव सहित आसपास के ग्रामों के ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे आयोजन के दौरान ग्रामीणों में उत्साह और उमंग का माहौल रहा। गांव की वर्षों पुरानी परंपरा के अनुसार यहां राज दशहरा से पहले दशहरा मनाया जाता है, जो क्षेत्र की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान और पूर्वजों की विरासत को दर्शाता है। ग्राम के युवा साथी जनक ठाकुर ने बताया कि भालुकोन्हा में दशहरा मनाने की परंपरा पूर्वजों के समय से चली आ रही है।

यह गांव रजवाड़ा प्रथा के अधीन नहीं, बल्कि मालगुजार गांव रहा है। ग्रामीणों की मान्यता है कि ग्राम के देवी-देवताओं के आदेश और परंपरागत मान्यताओं के अनुसार यहां राज दशहरा से पहले ही दशहरा पर्व मनाया जाना चाहिए। इसी मान्यता का पालन करते हुए ग्रामीण प्रतिवर्ष नवरात्र पर्व के दौरान दशहरा मनाते आ रहे हैं।

ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक मनाया पर्व, पीढ़ियों से चली आ रही परंपरा का किया निर्वहन



समस्त ग्रामीणों का रहा सराहनीय सहयोग

पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही यह परंपरा आज भी गांव की सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए हुए है। दशहरा पर्व केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि ग्रामीणों के आपसी मेल-मिलाप, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को सहेजने का अवसर भी है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी को अपने पूर्वजों की परंपराओं, लोक मान्यताओं और गांव की विशिष्ट पहचान से जुड़ने का अवसर मिलता है। भालुकोन्हा में राज दशहरा से पहले पर्व मनाने की परंपरा इसी विरासत का प्रतीक है। इस आयोजन को सफल बनाने में गुमान सिंह, सियाराम, रामदेव, अंकालु निषाद, सरेस, ताराचंद, जनक ठाकुर, मनीष, योगेश, पवन, दीपक दुग्गा, टेकराम, दादू, विजय सहित अन्य ग्रामीणों का अथक परिश्रम और सराहनीय सहयोग रहा। ग्रामीणों की सहभागिता से दशहरा पर्व उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

परेशानी

वेंडरों द्वारा पूरी जानकारी छिपाने से ग्रामीण असमंजस में

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के नाम पर गुमराह करने की शिकायत

हरिभूमि न्यूज ⏭ डौंडीलोहारा

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत गांव-गांव में सोलर पैनल लगाने का कार्य किया जा रहा है। योजना का उद्देश्य घरों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर बिजली उपभोक्ताओं को राहत पहुंचाना और सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना है। लेकिन इसी योजना के नाम पर कुछ वेंडरों और उनके कर्मचारियों द्वारा उपभोक्ताओं को कथित रूप से गुमराह किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। उपभोक्ताओं को यह कहकर योजना से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है कि शासन की ओर से सोलर पैनल पूरी तरह मुफ्त लगाया जा रहा है और उन्हें किसी भी प्रकार की राशि का भुगतान नहीं करना पड़ेगा। ऐसे दावों के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में ⏭ शेष पेज 10 पर

- सरकारी सब्सिडी और बैंक ऋण की पूरी जानकारी दिए बिना लिए जा रहे दस्तावेज

दस्तावेज देने के बाद योजना से पीछे हटने की स्थिति

शिकायतों के अनुसार, कुछ उपभोक्ताओं को शुरुआत में पूरी जानकारी नहीं मिलने के कारण दस्तावेज देने के बाद ही योजना की प्रक्रिया का पता चल रहा है। ऐसे में कुछ लोग अनिच्छा के बावजूद आगे की प्रक्रिया में शामिल होने के लिए बाध्य महसूस कर रहे हैं, जबकि कुछ उपभोक्ता बैंक पहुंचने के बाद आवेदन निरस्त कराने के लिए भी आवेदन दे रहे हैं। इससे न केवल उपभोक्ताओं का समय और मेहनत बर्बाद हो रही है, बल्कि योजना के प्रति विश्वास भी प्रभावित होने की आशंका है।



ईमानदारी से काम करने वाले वेंडरों को भी हो रही परेशानी

योजना के तहत पारदर्शिता के साथ काम करने वाले वेंडरों के सामने भी मुश्किलें खड़ी हो रही हैं। जब कुछ लोग सोलर संयंत्र को पूरी तरह मुफ्त बताकर प्रचार करते हैं, तो उपभोक्ता दूसरे वेंडरों की ओर से दी जाने वाली वास्तविक लागत और भुगतान संबंधी जानकारी पर भी संदेह करने लगते हैं। एक ओर उपभोक्ताओं को बताया जाता है कि कोई राशि नहीं देनी होगी, वहीं दूसरी ओर उन्हें बैंक ऋण और किस्तों की जानकारी दी जाती है। इस विरोधाभास के कारण उपभोक्ता यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि उन्हें किसकी बात पर भरोसा करना चाहिए।

सब्सिडी को ही बताया जा रहा पूरी योजना का खर्च

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना में पात्रता और स्थापित सोलर संयंत्र की क्षमता के अनुसार केंद्र सरकार की ओर से निर्धारित सब्सिडी दी जाती है। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए सामान्य प्रावधानों के तहत एक किलोवाट पर 30 हजार रुपये, दो किलोवाट पर 60 हजार रुपये और तीन किलोवाट या उससे अधिक क्षमता पर अधिकतम 78 हजार रुपये की केंद्रीय सब्सिडी निर्धारित है। ऐसे में सब्सिडी मिलने का अर्थ यह नहीं है कि प्रत्येक उपभोक्ता के लिए पूरा सोलर संयंत्र निशुल्क हो जाएगा। संयंत्र की कुल लागत, मिलने वाली सब्सिडी और शेष राशि का भुगतान किस प्रकार किया जाएगा, यह उपभोक्ता को पहले ही स्पष्ट किया जाना चाहिए। यदि कोई उपभोक्ता बैंक से ऋण लेकर सोलर संयंत्र लगवाता है, तो स्वीकृत ऋण की शर्तों के अनुसार किस्तों का भुगतान करना पड़ सकता है। वहीं, बिना ऋण के संयंत्र लगवाने वाले उपभोक्ताओं के लिए भुगतान की प्रक्रिया अलग हो सकती है। इसलिए प्रत्येक उपभोक्ता को अपनी लागत, सब्सिडी, ऋण और भुगतान संबंधी शर्तों की स्पष्ट जानकारी लेना जरूरी है।

गुंडरदेही में रेत का अवैध परिवहन, 2 हाइव जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ बालोद

जिले में खनिज संसाधनों के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है।

- खनिज विभाग की टीम ने बघमरा, देवरी (ख) और खुटेरी में निरीक्षण के दौरान की कार्रवाई



खनिज विभाग की टीम ने गुंडरदेही विकासखंड के विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए रेत का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर दो हाईवा वाहनों को जब्त किया है।

खनिज विभाग की टीम ने आज 16 अक्टूबर को तड़के ग्राम बघमरा, देवरी (ख) और खुटेरी क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान रेत का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर हाईवा वाहन क्रमांक सीजी 08 एयू 5509 एवं सीजी 04 पीएन 7011 को जब्त किया गया। जब्त दोनों वाहनों को अर्जुन्दा आरक्षी केंद्र की अभिरक्षा में रखा गया है। खनिज विभाग द्वारा प्रकरण में नियमानुसार खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 के तहत कार्रवाई की जाएगी। विभाग द्वारा अवैध खनन एवं परिवहन से संबंधित शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि खनिज संसाधनों का अवैध दोहन और परिवहन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी। खनिज संपदा का संरक्षण और नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन प्रतिबद्ध है।

खबर संक्षेप

लोक निर्माण विभाग में लंबित पेंशन प्रकरणों के लिए विशेष शिविर आज

बालोद। लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत विभिन्न कार्यालयों में लंबित पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिए 17 अक्टूबर 2026 को पेंशन निराकरण शिविर आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में संभागीय संयुक्त संचालक, कोष लेखा एवं पेंशन, दुर्ग द्वारा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। जारी निर्देश के अनुसार शिविर का आयोजन कार्यालय संभागीय संयुक्त संचालक, कोष लेखा एवं पेंशन, दुर्ग में किया जाएगा। लोक निर्माण विभाग के विभिन्न कार्यालयों में लंबित पेंशन प्रकरणों का समय पर निराकरण सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया है। निर्देश में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि संबंधित कार्यालयों के पेंशन शाखा प्रभारी लिपिक अपने ⏭ शेष पेज 10 पर

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने किया विभिन्न कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण



हरिभूमि न्यूज ⏭ जामगांव–आर

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और क्षेत्रीय विधायक के मुख्य आतिथ्य में ग्राम पंचायत जामगांव–आर में विभिन्न लोकार्पण एवं भूमिपूजन हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत धेरिया धोबी समाज अहाता निर्माण कार्य का भूमिपूजन, धीवर समाज भवन का लोकार्पण, शहीद डोमेश्वर साहू मूर्ति का अनावरण तथा ज्योति कलश कक्ष का लोकार्पण किया गया। जय मारादेव मारिया पूरन पचपेड़ी की जस झांकी का प्रदर्शन भी किया गया।

- जामगांव–आर के ग्रामीणों ने किया जोशीला स्वागत

समारोह में विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। धेरिया धोबी समाज के कार्यक्रम में धर्मेन्द्र निर्मल अध्यक्षता में उपस्थित थे। धीवर समाज भवन लोकार्पण के अवसर पर टेमन सपहा की अध्यक्षता रही। शहीद डोमेश्वर साहू मूर्ति अनावरण कार्यक्रम में नरेश केला तथा ज्योति कलश कक्ष लोकार्पण में के.एल. साहू की अध्यक्षता रही। समारोह ग्राम पंचायत जामगांव–आर के सरपंच रूपेंद्र कुमार शुक्ला एवं उपसरपंच मुकेश साहू सहित पंचायत प्रतिनिधियों के सहयोग से हुआ। आयोजन में ग्रामवासियों की सहभागिता रही।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि जीवन में सफल होने के लिए लक्ष्य बनाकर आगे बढ़े। कोई काम छोटा और बड़ा नहीं होता, अपने सपने को साकार करने के लिए समर्पण मेहनत लगन पर विश्वास करें। शहीद और महापुरुष हमारे प्रेरणास्त्रोत होते हैं। इनकी प्रेरणा से हमें दिशा मिलती है और हम कामयाब भी होते हैं। कार्यक्रमों में जनपद सदस्य रामकुमार चंद्राकर, पूर्व जिला पंचायत सदस्य जयप्रकाश चंद्राकर, सरपंच रूपेंद्र शुक्ला, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक साहू, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, मोरध्वज चंद्राकर, डेविड चंद्राकर, प्रेमप्रकाश पांडे, उमाकांत चंद्राकर उपस्थित थे। कालेज के कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. शिखा अग्रवाल, प्रो चेतना सोनी सहित स्टॉफ सक्रिय रहा।

बस्तर से मां दंतेश्वरी की प्रतिमा लाकर की गई थी स्थापना

जुन्नापानी में मां दंतेश्वरी मंदिर में प्रज्ज्वलित हुए 90 ज्योति कलश: 450 वर्ष पुराना है मंदिर का इतिहास

हरिभूमि न्यूज ⏭ डौंडीलोहारा

बालोद जिले के अंतिम छोर पर बसा वनांचल ग्राम जुन्नापानी स्थित मां दंतेश्वरी मंदिर में शारदीय नवरात्रि के अवसर पर 90 ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए हैं।

प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी श्रद्धालुओं ने मां दंतेश्वरी के प्रति अपनी अटूट आस्था प्रकट करते हुए ज्योति कलश प्रज्वलित कर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की है। गांव से लगभग एक किलोमीटर दूर पूर्व दिशा में स्थित यह प्राचीन मंदिर न केवल जुन्नापानी, बल्कि आसपास के 12 गांवों के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। ग्रामीणों के अनुसार, मां दंतेश्वरी मंदिर का इतिहास लगभग 450 वर्ष पुराना है। बताया जाता है कि करीब साढ़े चार शताब्दी पूर्व देवजी कुंजाम ठाकुर बस्तर से मां दंतेश्वरी ⏭ शेष पेज 10 पर



दोनों नवरात्रि में प्रज्वलित होते हैं आस्था के दीप

मां दंतेश्वरी मंदिर में चैत्र और शारदीय, दोनों नवरात्रि के अवसर पर दूर-दराज के श्रद्धालु पहुंचकर ज्योति कलश प्रज्वलित करते हैं। श्रद्धालुओं की मान्यता है कि मां के दरबार में सच्चे मन से पूजा-अर्चना करने और मन्नत मांगने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। यही कारण है कि जुन्नापानी के साथ आसपास के 12 गांवों के लोग भी नियमित रूप से मां के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। मंदिर परिसर में प्रतिदिन शाम को पूजा-अर्चना के पश्चात जसगीत गायन किया जाता है। आसपास के विभिन्न गांवों की जस भजन मंडलियां मां के दरबार में पहुंचकर जसगीतों के माध्यम से सेवा और आराधना करती हैं। इससे मंदिर परिसर में पूरे नवरात्रि भक्तिमय वातावरण बना रहता है और क्षेत्र की पारंपरिक धार्मिक संस्कृति को भी बढ़ावा मिलता है।

समिति और ग्रामवासियों के सहयोग से होता है संचालन

मां दंतेश्वरी मंदिर का संचालन मंदिर समिति द्वारा ग्रामवासियों के सहयोग से किया जाता है। समिति में संरक्षक एवं ग्राम पटेल चंद्रशेखर शुक्लेत, अध्यक्ष बृजलाल पावरे, कोषाध्यक्ष वीरेंद्र सलामे और सचिव ओमप्रकाश यादव सहित नौ सदस्य मंदिर की व्यवस्था और धार्मिक आयोजनों के संचालन में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। ग्रामवासियों के सामूहिक सहयोग और श्रद्धालुओं की अटूट आस्था से मां दंतेश्वरी मंदिर की धार्मिक परंपराएं निरंतर आगे बढ़ रही हैं। नवरात्रि के अवसर पर प्रज्वलित 90 ज्योति कलश मंदिर की आध्यात्मिक महत्ता और क्षेत्रवासियों की मां के प्रति गहरी श्रद्धा को दर्शा रहे हैं।



खबर संक्षेप



चोरेल में मां वीणावादिनी की प्रतिमा फूल मालाओं से सजी

बालोद/सिकोसा। शारदीय नवरात्रि पर ग्राम चोरेल में मां सरस्वती का भव्य, दिव्य और आकर्षक पंडाल स्थापित किया गया है। फूल–मालाओं और रंग–बिरंगी रोशनियों से सजे इस पंडाल में मां वीणावादिनी की मनमोहक प्रतिमा विराजमान है।

असामाजिक तत्व पर जिला बदर की कार्रवाई

बालोद। अपराधिक एवं गुण्डा प्रवृति के वार्ड 7 कालेज रोड दल्लीराजहरा निवासी अभिषेक राव उर्फ विक्की राव के विरुद्ध एक



वर्ष के लिए जिला बदर की कार्रवाई की गई। जिला दण्डाधिकारी जिला बालोद द्वारा जिला बदर का आदेश के तहत निर्धारित अवधि तक जिला बालोद एवं दुर्ग, धमतरी, राजनांदगांव, कांकेर, मोहला मानपुर अंबागढ चौकी जिलों की सीमा से बाहर रहना अनिवार्य। पुलिस अधीक्षक बालोद द्वारा टीचर कॉलोनी कॉलेज रोड राजहरा थाना राजहरा जिला बालोद निवासी विक्की राव उर्फ अभिषेक राव पिता मोहन राव 24 वर्ष क्षेत्र का एक अपराधिक एवं गुण्डा प्रवृति का व्यक्ति है। इसकी आपराधिक गतिविधियां वर्ष 2016 से आरंभ होकर अब तक की स्थिति में निरंतर बढ़ती जा रही है, इसके द्वारा आम लोगों को गाली गुप्तार करना, जान से मारने की धमकी देना, धारदार हथियारों से लैस होकर हमला कर लोगों को चोट पहुंचाना, अवैध रूप से शराब विक्रय करना, अवैध मादक पदार्थ गांजा का तस्करी करना इसकी आदत में सुमार हो चुकी है। इस प्रकार टीचर कॉलोनी कॉलेज रोड, राजहरा, थाना राजहरा निवासी विक्की राव उर्फ अभिषेक राव पिता मोहन राव 24 वर्ष के उक्त कार्य को रोकने के लिए तथा शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से छ.ग. राज्य सुरक्षा अधिद्द की धारा 5.6 के तहत जिला बदर की कार्यवाही की गई है।

स्कूल विकास के लिए ग्रामीणों ने इक्कठा की राशि, प्रधानपाठक को सौंपा



बालोद/कलंगपुर। गुण्डरदेही ब्लॉक के ग्राम पंचायत जोरातराई के ग्रामीणों ने प्राथमिक शाला के विकास और बच्चों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ग्रामीणों ने 15 हजार इक्कठा कर विद्यालय के प्रधान पाठक को सौंपा। इस सराहनीय पहल का उद्देश्य विद्यालय के विकास में सहयोग करना और स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण मुहैया कराने के उद्देश्य से सहयोग राशि प्रदान की। इस दौरान ग्रामीण अध्यक्ष हेमन्त चन्द्राकर एवं डॉ. लक्ष्मीकांत साहू ने राशि सौंपते हुए कहा कि शिक्षा समाज की प्रगति का आधार है, विद्यार्थियों के विकास एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में ग्रामीणों और समाज के जागरूक नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। विद्यालय परिवार व शिक्षकों ने इस तरह की सहयोग की सराहना करते हुए कहा इस पहल से विद्यालय के विकास कार्योर् में प्रोत्साहन मिलेगा तथा शिक्षा के प्रति सामाजिक सहभागिता का सकारात्मक संदेश जाएगा, साथ ही सहयोग राशि प्रदान करने पर ग्रामीणों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. लक्ष्मीकांत साहू, अध्यक्ष ग्राम विकास समिति हेमन्त चन्द्राकर, सरपंच बृजलाल साहू, कौशिक साहू, हरिचंद अंगारे संहित विद्यालय परिवार उपस्थित थे।

कलेक्ट्रेट परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित कर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

नवरात्रि और दशहरा के लिए जिला प्रशासन ने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बालोद





नवरात्रि एवं दशहरा पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण मनो जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। कलेक्ट्रेट परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी सुरेंद्र प्रसाद वैद्य की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में पर्व के दौरान शांति, सुरक्षा, यातायात और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में सभी पूजा पंडालों और धार्मिक स्थलों पर भक्तिमय वातावरण बनाए रखने तथा नशाखोरी और अव्यवस्था पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए। मूर्ति विसर्जन एवं जुलूस के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारू रखने और आम नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न होने देने पर विशेष जोर दिया गया। उत्सव समितियों को विसर्जन के दौरान स्वयंसेवकों की तैनाती सुनिश्चित करने के लिए कहा गया।

विद्युत विभाग को सदर रोड सहित प्रमुख मार्गों पर लटकते बिजली के तारों को व्यवस्थित करने तथा आवश्यकतानुसार ऊंचा करने के निर्देश दिए गए, ताकि जुलूस और विसर्जन के दौरान किसी प्रकार की दुर्घटना न हो। वहीं, नगर पालिका को विसर्जन स्थलों पर साफ–सफाई, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और बड़ी मूर्तियों के विसर्जन के लिए क्रेन की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया।

मूर्ति विसर्जन के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नगर सेना को आवश्यकतानुसार सुरक्षा बल और कुशल तैराकों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। रावण दहन एवं विसर्जन कार्यक्रमों के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग को एंबुलेंस और चिकित्सा दल की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया। इसके साथ ही ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण रखने के लिए लाउडस्पीकर और डीजे का उपयोग शासन द्वारा निर्धारित नियमों एवं समय–सीमा के अनुरूप करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों ने सभी उत्सव समितियों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों से आपसी सहयोग, शांति एवं सौहार्द के साथ नवरात्रि और दशहरा पर्व मनाने की अपील की। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि पर्व के दौरान आमजन की सुरक्षा, सुविधा और कानून–व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे, ताकि जिले में त्योहार सौहार्द्रपूर्वक, शांतिपूर्ण और सुरक्षित

पैसों का दांव लगवाने वाला सटोरिया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बालोद



जिले में अवैध जुआ एवं सट्टा गतिविधियों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए बालोद थाना पुलिस ने सट्टा–पट्टी लिखकर लोगों से रुपये–पैसों का दांव लगवाने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1,150 रुपये नगद, सट्टा–पट्टी लिखा कागज और एक डॉट पेन जब्त किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 14 अक्टूबर को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम तरौद भाटापारा जाने वाले तिराहे के पास एक व्यक्ति सट्टा–पट्टी लिखकर रुपये–पैसों का दांव लगवा रहा है। सूचना पर थाना बालोद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर कार्रवाई की। इस दौरान भागने का प्रयास कर रहे व्यक्ति को पकड़ लिया गया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान ग्राम तरौद भाटापारा थाना एवं जिला बालोद निवासी राकेश कुमार देवांगन 48 वर्ष पिता नुरहा राम देवांगन के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से सट्टा–पट्टी लिखा एक सफेद कागज, नीली स्याही वाला एक डॉट पेन और 1,150 रुपये नगद जब्त किए हैं। आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम, 2022 की धारा 6 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी को 14 अक्टूबर की रात करीब 10 बजे गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक बालोद किरण गंगाराम चव्हाण के निर्देशन में जिले में अवैध जुआ एवं सट्टा गतिविधियों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। बालोद पुलिस ने आम नागरिकों से जुआ एवं सट्टा जैसी अवैध गतिविधियों से दूर रहने तथा ऐसी गतिविधियों की जानकारी तत्काल नजदीकी थाने या पुलिस को देने की अपील की है। पुलिस ने सूचना देने वालों की पहचान गोपनीय रखने की बात कही है।

छात्रवास के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने ली शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बालोद



पोस्ट मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रवास, आरके. नगर राजनांदगांव में 11 अक्टूबर को छात्र संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष एमडी. ठाकुर उपस्थित थे। अध्यक्षता कृषि उपज मंडी, राजनांदगांव के पूर्व उपाध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत ने की।

मुख्य अतिथि एमडी. ठाकुर ने छात्र संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रफुल्ल मंडावी, उपाध्यक्ष रुस्तम नुरेती, सचिव मनीष रावत सहित सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं दायित्वों के निर्वहन की शपथ दिलाई। एमडी. ठाकुर ने विद्यार्थी जीवन के महत्व एवं उद्देश्यों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला, उन्होंने विद्यार्थी जीवन को व्यक्ति के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण कालखंड बताते हुए विद्यार्थियों से इस अवधि का सदुपयोग करने तथा अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कोमल सिंह राजपूत ने कहा कि दुनिया में कोई भी चीज सहज ही प्राप्त नहीं होती, प्रत्येक सफलता और उपलब्धि के लिए कठिन परिश्रम एवं त्याग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति पूरी ईमानदारी, नेकनीयती और लक्ष्य के प्रति समर्पण के साथ मेहनत करे, तो उसे सफलता अवश्य प्राप्त होती है।

विशिष्ट अतिथि एवं छात्रवास के पूर्व अध्यक्ष चंद्रेश ठाकुर ने छात्रवास जीवन के महत्व, उद्देश्यों तथा छात्रवास के गौरवशाली इतिहास एवं विरासत के संबंध में अनेक रोचक और प्रेरणास्पद जानकारियां दीं। उन्होंने विद्यार्थियों को विद्यार्थी जीवन के प्रत्येक पल का सदुपयोग करने की सीख दी। ठाकुर ने कहा कि सफलता के लिए त्याग और संघर्ष आवश्यक हैं। जीवन में बड़ी उपलब्धियां हासिल करने से पहले अनेक कठिन परीक्षाओं और चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिस प्रकार सोना अनेक प्रक्रियाओं से गुजरकर कुंदन बनता है, उसी प्रकार चुनौतियां, संघर्ष और अभाव हमारे व्यक्तित्व को निखारकर हमें अधिक परिपक्व बनाते हैं। इसलिए विद्यार्थियों को चुनौतियों से घबराने के बजाय उन्हें स्वीकार करना चाहिए।

व्याख्यानमाला में छात्रों को आयुर्वेद चिकित्सा के गिनाए लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बालोद/सिकोसा





विगत दिनों नवीन महाविद्यालय बेलोदी में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता विषय पर व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. जी.डी.साहू, आयुर्वेद चिकित्सक, शासकीय आयुर्वेद औषधालय, करहीभदर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. दीनदयाल दिल्लीवार ने की। विशिष्ट अतिथि प्रेम सिंह ठाकुर, स्वास्थ्य पर्यवेक्षक, राहुल साहू, अध्यक्ष महाविद्यालय जनभागीदारी समिति, डॉ. रोहित साहू, जनभागीदारी समिति सदस्य उपस्थित थे। प्राचार्य डॉ. दीनदयाल दिल्लीवार ने कहा कि वर्तमान समय में बदलती जीवनशैली, अनियमित खानपान एवं बढ़ते स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों को देखते हुए आयुर्वेद का महत्व निरंतर बढ़ता जा रहा है। आयुर्वेद भारतीय ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर है, जो हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए स्वस्थ जीवन जीने की प्रेरणा देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे आयुर्वेद के मूल सिद्धांतों को समझें तथा संतुलित आहार, नियमित व्यायाम एवं अनुशासित दिनचर्या अपनाकर अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें। डॉ. जी.डी. साहू ने कहा कि आयुर्वेद भारत की प्राचीन एवं समृद्ध चिकित्सा पद्धति है, जिसका प्रमुख उद्देश्य रोगों का उपचार करने के साथ–साथ मनुष्य को स्वस्थ एवं निरोगी बनाए रखना है। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद में अनेक रोगों के उपचार एवं स्वास्थ्य संरक्षण के लिए हमारे आसपास उपलब्ध औषधीय वनस्पतियों, जड़ी–बूटियों तथा प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग किया जाता है। तुलसी, नीम, गिलोय, आँवला, हल्दी एवं अश्वगंधा जैसी अनेक औषधीय वनस्पतियों का आयुर्वेद में विशेष महत्व है। इस अवसर पर डॉ. प्रदीप कुमार देवांगन, घनश्याम साहू, ओमप्रकाश साहू, भूपेन्द्र सिन्हा, गोकुल, तुलेश्वर साहू, डॉ. सुधा यादव, डॉ. मनीषा रात्रे, तेजस्विनी साहू, रुचि वर्मा, सीमा एक्का, डॉ. प्रविन्यलता, आसो कँवर, गैन्दलाल साहू, कृतिका रंगारी, प्रेमनारायण भंडारी, भूपेंद्र, युगलकिशोर, कामेश साहू, नंदिनी साहू, प्रवीण साहू, तुकेश्वर मंडावी सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. बिसनाथ साहू ने किया तथा आभार प्रदर्शन सहायक प्राध्यापक राहुल उपाध्याय द्वारा किया गया।

पेज 9 का शेष

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली ...

उपभोक्ताओं के बीच असमंजस की स्थिति निर्मित हो रही है। जानकारी के अनुसार, कुछ वेंडरों और उनके कर्मचारियों द्वारा उपभोक्ताओं को योजना की वास्तविक प्रक्रिया, सब्सिडी और बैंक ऋण की शर्तों की पूरी जानकारी दिए बिना ही आवश्यक दस्तावेज लिए जा रहे हैं। शुरुआत में योजना को पूरी तरह निशुल्क बताने के कारण उपभोक्ता भी इसे बिना किसी आर्थिक बोझ वाली योजना समझकर अपने दस्तावेज सौंप दे रहे हैं। लेकिन जब आगे की प्रक्रिया के दौरान बैंक पहुंचने पर उन्हें ऋण, किस्त और शेष राशि के भुगतान की जानकारी मिलती है, तब उनके सामने वास्तविक स्थिति स्पष्ट होती है। इसके बाद कई उपभोक्ता खुद को असमंजस में पाते हैं।

जुन्नापानी में मां ...

को लाकर ग्राम जुन्नापानी में स्थापित किए थे। मान्यता है कि देवजी कुंजाम ठाकुर ने ही इस गांव को बसाया था। उनके छोटे भाई फिरतु कुंजाम ठाकुर ने फिरतुटोला नामक गांव बसाया था। इस प्रकार कुंजाम ठाकुर परिवार का गांव के इतिहास और मां दंतेश्वरी की पूजा परंपरा से गहरा संबंध रहा है। देवजी ठाकुर के वंश में उनके पुत्र माहरु ठाकुर, उनके पुत्र मेहताब ठाकुर तथा उनके पुत्र रामलाल ठाकुर हुए। रामलाल ठाकुर के दो सुपुत्र कन्हैयालाल और धनेशराम कुंजाम हैं। वर्तमान में इसी परिवार के सदस्य मां दंतेश्वरी के मुख्य पुजारी के रूप में देवसेवा की परंपरा का निर्वहन कर रहे हैं।

लोक निर्माण विभाग में लंबित ...

यहां लंबित पेंशन प्रकरणों को निर्धारित तिथि 17 अक्टूबर 2026 को शिविर स्थल पर अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करेंगे, ताकि प्रकरणों के निराकरण की प्रक्रिया पूरी की जा सके। इस पहल का उद्देश्य लंबित पेंशन प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाना तथा संबंधित पेंशनभोगियों को समय पर राहत उपलब्ध कराना है।

छात्राओं को दी विधिक अधिकारों और सुरक्षा की जानकारी

बालोद। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी के आदेशानुसार एवं मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ग्राम कांदुल में विशेष जागरूकता एवं

■ ग्राम कांदुल स्कूल में विशेष जागरूकता शिविर आयोजित



प्रचार–प्रसार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला बाल संरक्षण अधिकारी गजानंद साहू के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रओं को विभागीय जनकल्याणकारी योजनाओं, विधिक अधिकारों तथा सुरक्षा तंत्र के प्रति सजग व सशक्त बनाना रहा। शिविर के दौरान उपस्थित विभागीय अधिकारियों ने छात्रओं को 'मिशन वात्सल्य' एवं एकीकृत बाल संरक्षण सेवाओं की रूपरेखा समझाई। इसके साथ ही बच्चों के संरक्षण से जुड़े प्रमुख विधिक प्रावधानों जैसे बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 (पॉक्सो एक्ट) तथा किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 के महत्वपूर्ण बिंदुओं से विस्तार से अवगत कराया गया। छात्राओं को किसी भी विषम परिस्थिति, शोषण अथवा असुरक्षा से निपटने के लिए आपातकालीन टोल-फ्री नंबर चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 तथा महिला हेल्पलाइन 181 के प्रभावी उपयोग की जानकारी दी गई। इसके साथ ही संकटग्रस्त महिलाओं एवं बालिकाओं को एक ही छत के नीचे विधिक, चिकित्सकीय व परामर्श सहायता उपलब्ध कराने वाले 'सखी वन स्टॉप सेंटर' की कार्यप्रणाली के बारे में बताया गया। अधिकारियों ने छात्रओं से अपील की है कि वे अपने परिवेश में बाल विवाह, बाल श्रम अथवा बच्चों से संबंधित किसी भी शोषण की घटना दिखने पर तत्काल हेल्पलाइन पर सूचना देकर जिम्मेदार नागरिक का दायित्व निभाएं।

कार्यक्रम में जिला बाल संरक्षण इकाई से संस्थागत संरक्षण अधिकारी देवेन्द्र देशमुख, सामाजिक कार्यकर्ता अनिल सिन्हा, जिला परियोजना समन्वयक वेद प्रकाश साहू, चाइल्ड लाइन केस वर्कर कैलाश निषाद, जिला मिशन समन्वयक (मिशन शक्ति) व जेंडर विशेषज्ञ दिनेश्वरी सिन्हा, जेंडर विशेषज्ञ राकेश सिन्हा, सहित शिक्षकगण तथा छात्रएं उपस्थित रहीं।

ऊर्जा संरक्षण पेंटिंग प्रतियोगिता

राष्ट्रीय विजेता को मिलेगा 1 लाख रुपए, लैपटॉप और गोल्ड मेडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बालोद

देशभर के स्कूली छात्र-छात्राओं को ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विद्युत मंत्रलय, भारत सरकार द्वारा ऊर्जा दक्षता ब्यूरो के माध्यम से एवं केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों के सहयोग से 'नेशनल पेंटिंग काम्पिटीशन ऑन एनर्जी कंसर्वेशन 2026' का आयोजन किया जा रहा है। क्रेडा विभाग के सहायक अभियंता ने बताया कि इस वर्ष प्रतियोगिता का मुख्य विषय 'एनर्जी कसंर्वेशन फॉर एनर्जी सिक्यूरिटी' रखा गया है।

उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में कक्षा 05वीं से 07वीं तक के छात्र-छात्राएं 'ग्रुप–ए' और कक्षा 08वीं से 10वीं तक के छात्र-छात्राएं 'ग्रुप-बी' के अंतर्गत सम्मिलित हो सकते हैं। स्कूलों के माध्यम से चयनित प्रत्येक ग्रुप के प्रथम-दो चित्रकला फोटोग्राफ्स को स्कूल के नाम सहित विवरण आगामी 31 अक्टूबर से पूर्व संबंधित नोडल अधिकारी के पास जमा किए जा सकते हैं। जिसके लिए पावर ग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड 400/200 केवी सबस्टेशन कुम्हारी के वरिष्ठ महाप्रबंधक आरपी साहू को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता से संबंधित विस्तृत जानकारी वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है। इसके अलावा अन्य किसी भी प्रकार की अतिरिक्त जानकारी के लिए जिला ऊर्जा संरक्षण प्रभारी व क्रेडा बालोद के उप अभियंता खुबलाल साहू से संपर्क कर सकते हैं।

पुरस्कारों की आकर्षक व्यवस्था

उल्लेखनीय है कि स्कूल स्तर से चयनित प्रथम 02 विजेताओं में से प्रत्येक ग्रुप ए एवं बी से 50–50 विद्यार्थियों का चयन राज्य स्तरीय चयन समिति द्वारा किया जाएगा। राज्य स्तर पर यह ऑन-द-स्पॉट प्रतियोगिता 14 नवंबर से 21 नवंबर तक (02 घंटे की अवधि में) आयोजित होगी।

जिसमें प्रथम पुरस्कार 50,000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 30,000 रुपये, तृतीय पुरस्कार 20,000 रुपये तथा 10 प्रतिभागियों को 7,500 रुपए (प्रत्येक को) का प्रशंसा पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। राज्य स्तर पर प्रत्येक राज्य से चयनित प्रथम 03 विजेता 11 दिसंबर 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर की चित्रकला प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम विजेता को एक लाख रुपए, लैपटॉप व गोल्ड मेडल, द्वितीय विजेता को 50 हजार रुपए, लैपटॉप व सिल्वर मेडल एवं तृतीय विजेता को 30 हजार रुपए, लैपटॉप व ब्रॉन्ज मेडल तथा 10 प्रशंसा पुरस्कार के रूप में 15,000 रुपए, नगद व टैबलेट से पुरस्कृत किया जाएगा।

जिला प्रशासन ने निःशक्तजनों का शॉल भेंट किया

जिले के तीन दिव्यांगजनों को मिले कृत्रिम पैर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बालोद



संयुक्त जिला कार्यालय में जिले के तीन दिव्यांगजनों को कृत्रिम पैर प्रदान किए गए। इस अवसर पर कलेक्टर दिव्या मिश्रा, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पूर्व सदस्य यशवंत जैन तथा जिला भाजपा अध्यक्ष चेमन देशमुख और अभिषेक शुक्ला ने दिव्यांगजनों से आत्मीय बातचीत की। उन्होंने उनके अनुभवों को जाना और कृत्रिम पैर मिलने के बाद जीवन में आए बदलावों के बारे में जानकारी ली। अतिथियों ने सभी को शॉल भेंटकर उनके सुखद, स्वस्थ और आत्मनिर्भर भविष्य की कामना की।

डौण्डी विकासखंड के ग्राम धुर्वाटोला निवासी जागेश्वर के जीवन में पिछले 30 वर्षों से एक ऐसी मजबूरी थी, जिसने उनकी रोजमर्रा की जिंदगी कठिन बन गई थी। लगभग तीन दशक पहले जहरीले सांप के काटने के कारण पैर में संक्रमण फैल गया और चिकित्सकों को उनका एक पैर काटना पड़ा।

ग्राम पलारी निवासी कक्षा नवमीं के छात्र मयंक साहू के लिए सड़क दुर्घटना ने जिंदगी की राह मुश्किल कर दी थी। कुछ माह पहले हुए गंभीर हादसे में उसका एक पैर कट गया। इस घटना ने न केवल उसकी शारीरिक क्षमता को प्रभावित किया, बल्कि पढ़ाई और स्कूल जाने की राह में भी बाधा खड़ी कर दी।

ग्राम पिनकापार निवासी निर्मला साहू भी उन लोगों में शामिल हैं, जिनकी जिंदगी गंभीर बीमारी के कारण बदल गई थी। पैरों में गंभीर बीमारी और संक्रमण बढ़ने के कारण उनका एक पैर काटना पड़ा। इसके बाद चलने–फिरने और रोजमर्रा के काम करने में उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। कृत्रिम पैर मिलने और चलने का अभ्यास करने के बाद अब उनके जीवन में भी नई उम्मीद जगी है। जागेश्वर के लिए 30 साल बाद अपने पैरों पर चलने की उम्मीद, मयंक के लिए दोबारा स्कूल जाने का सपना और निर्मला साहू के लिए अपने दैनिक कार्य स्वयं करने का विश्वास इस बात का प्रमाण है कि सही समय पर मिला सहयोग किसी की जिंदगी की दिशा बदल सकता है।

म्यूल बैंक खाते खरीदने बेचने वाले दो बंदी

भिलाई। म्यूल खाते को खरीदने बेचने वाले दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सुपेला पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर ऑनलाइन सट्टा के लेन-देन में खातों का उपयोग से करने वाले कृष्णा नगर, अंबेडकर चौक, सुपेला नीरज गायकवाड़, पुरानी बस्ती, सतनामी पारा, सुपेला अंशु साव को पकड़ा गया।

गुप्त रोगी संपर्क करें
पुरुष गुप्त रोगी नपुंसकता, उत्तेजना कम होना, हस्तमैथुन द्वारा नसों में कमजोरी, समय से पहले वीर्य स्खलित हो जाना, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, गुप्त अंग का छोटापन व पेशाब के साथ धातु का गिरना एवं जलन होना। आयुर्वेदिक द्वारा सफल स्थाथी इलाज।
सभी प्रकार के गुप्त रोगों का इलाज किया जाता है।
निराश रोगी संपर्क करें।
संजीवनी आयुर्वेदिक दवाखाना
अंबेडकर चौक, अंगारमोती मेडिकल स्टोर्स के पास धमतरी
मो. 91744-66336

खबर संक्षेप



प्राथमिक स्कूल में न्योता भोज

जामगांव आर। उमरपोटी प्राथमिक शाला में हेडमास्टर बुधारु राम निषाद ने शाला परिवार के मुखिया की भूमिका निभाते हुए गुरुवार को अपने जन्मदिन पर बच्चों एवं शाला परिवार को न्योता भोज कराया। हेडमास्टर ने कहा कि इन बच्चों के कारण ही हम शिक्षक है और हमें पुरुषार्थ का फल भी इन्हीं के कारण वेतन के रूप में मिलता है, जिससे घर, परिवार का कुशल संचालन करते हैं, हमें तेरा तुझको अर्पण, क्या लागे मेरा के भाव से गुरु–शिष्य का संबंध स्नेह के साथ निभाना चाहिए, जिससे सर्विस लाइफ यादगार बन सके। ना जाने जीवन के किस मोड़ में होनहार बच्चों के साथ किस ओहदे पर मुलाकात हो जाए, जो सुकून भर दे। इस दौरान संकुल आगेसरा के शिक्षकगण, देवराव वैद प्रधान पाठक, अनूप कुमार दुबे, चमेली साहू, मुकुंद कुमार रामटेके, शिवराम ठाकुर, मुकेश कुमार बनपाल, सुशील कुमार नागे, राघवेन्द्र कुमार धुरव, टिकेश्वरी साहू, वाणी साहू, प्रेमीन साहू एवं चोवा राम नेताम उपस्थित थे।

नवीन मुक्तिधाम निर्माण के लिए भूमिपूजन



बालोद। ग्राम पंचायत चारवाही में नवीन मुक्तिधाम निर्माण के लिए भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पहल से ग्रामीणों को अंतिम संस्कार के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। भूमिपूजन कार्यक्रम में प्रदेश प्रशिक्षण सह प्रमुख संजय साहू, ग्राम पंचायत सरपंच दीपमालिका साहू, उपसरपंच तुकाराम हिरवानी, पंचायत सचिव रोशन यादव सहित भानुप्रताप हिरवानी, सखाराम साहू, तोरण साहू, पूरनिका यादव, भोज साहू, हितेश साहू, रिंकू साहू एवं भारत साहू उपस्थित थे। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के सभी पंचगण एवं ग्रामीणजन भी शामिल हुए। नवीन मुक्तिधाम के निर्माण से ग्रामीणों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होने की उम्मीद है। इस अवसर पर पंचायत प्रतिनिधियों एवं उपस्थित ग्रामीणों ने निर्माण कार्य को ग्रामहित में महत्वपूर्ण पहल बताया।

बैंक खातों के दुरुपयोग के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। म्यूल खाता मामले में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। खुर्सीपार पुलिस ने बताया कि बालाजी नगर खुर्सीपार निवासी तरुण कुमार, शंकर नगर मोहन नगर गौरव साहू, एसटीएफ कॉलोनी बघेरा निखिल नेम, मछली मार्केट खुर्सीपार नरगिस बानो को पकड़ा गया है।

विरोध : दल्लीराजहरा के ऐतिहासिक झरन मंदिर की अनदेखी पर आक्रोश

मां झरन मैय्या मंदिर में प्रज्ज्वलित हुईं 55 ज्योतियां प्रशासन की उदासीनता पर आंदोलन की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दल्लीराजहरा





नगर के प्राचीन धार्मिक स्थलों में शामिल मां झरन मैय्या मंदिर आज भी आस्था का प्रमुख केंद्र है, लेकिन प्राकृतिक झरनों के संरक्षण और परिसर के विकास को लेकर समिति ने नगरपालिका, बीएसपी प्रशासन और जिला प्रशासन की उदासीनता पर नाराजगी जताई है। मंदिर जनकल्याण समिति ने दिसंबर तक इंतजार करने के बाद भी पहल नहीं होने पर घेराव और आगे छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर में जनहित याचिका दायर करने का निर्णय लिया है। मंदिर परिसर के दोनों छोर पर कभी प्राकृतिक झरनों का समृद्ध जलस्रोत था। बीच में पत्थर के चबूतरे पर प्राचीन शिवलिंग, नंदी बैल तथा राजा-महाराजाओं और सैनिकों की सैकड़ों मूर्तियां स्थापित थीं। देखरेख के अभाव में इनमें से कई प्राचीन मूर्तियां गायब हो गईं। नगर के शुरुआती दौर में यही झरने लोगों के पीने के पानी और निस्तारी का प्रमुख साधन हुआ करते थे।

लगभग 1965 के आसपास बीएसपी प्रशासन ने झरनों के बाएं छोर पर जल संग्रह कर पंप हाउस बनाया, जिससे संयंत्र की पानी की जरूरतें पूरी होती थीं। बाद में डेम साइड और बोड़ी डेम में नए पंप हाउस बनने के बाद यह व्यवस्था रेलवे प्रशासन को सौंप दी गई। समिति के अनुसार, पिछले करीब 35 वर्षों से रेलवे की पानी की जरूरतें भी इसी स्रोत से पूरी होती आ रही हैं।

जनसहयोग से 2007 में हुआ मंदिर का निर्माण: मंदिर की उपेक्षा को देखते हुए वार्ड क्रमांक 10, 12 और 18 के लोगों ने मां झरन मैय्या मंदिर जनकल्याण समिति का गठन किया। रमेश मित्तल समिति के प्रथम अध्यक्ष बने और लगातार 13 वर्षों तक इस जिम्मेदारी का निर्वहन किया। वर्तमान में वे समिति के संरक्षक एवं मंदिर प्रभारी हैं। जनता के सहयोग से वर्ष 2007 में मंदिर निर्माण पूरा हुआ। इसके बाद बनारस से आए पंडितों के समूह ने चैत्र नवरात्रि की प्रतिपदा से प्राण प्रतिष्ठा की पूजा शुरू की और पंचमी को मां गंगा मैय्या तथा नवदुर्गा की प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा की गई। मां गंगा मैय्या की प्रतिमा तत्कालीन नगर निरीक्षक एसआर पठारे ने बनवाकर समिति को प्रदान की थी।

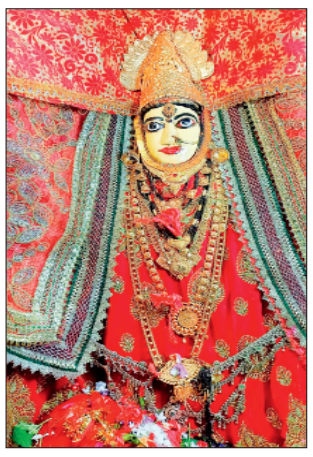
41वीं नवरात्रि में प्रज्वलित हुईं 55 मनोकामना ज्योतियां: मंदिर में चैत्र और क्वार नवरात्रि के दौरान लगातार मनोकामना ज्योतियां प्रज्वलित की जा रही हैं। इस वर्ष 41वीं नवरात्रि के अवसर पर कुल 55 ज्योतियां प्रज्वलित हुई हैं, जिनमें 9 घी और 46 तेल की ज्योतियां शामिल हैं। यहां दोनों नवरात्रियों की नवमी और महाशिवरात्रि पर विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाता है। समिति के अनुसार, 18 अक्टूबर को महाष्टमी पर शाम 4:30 बजे हवन होगा। 19 अक्टूबर को महानवमी पर सुबह 11:30 बजे हवन के बाद दोपहर 12:30 बजे से रात 10 बजे तक विशाल भंडारा आयोजित किया जाएगा। शाम 5 बजे मनोकामना ज्योतियों का विसर्जन किया जाएगा।

नगर के पहाड़ी मंदिर, शीतला मंदिर, शनि मंदिर, चंडी मंदिर सहित अन्य स्थानों की ज्योत-जंवारा का विसर्जन भी इसी मंदिर के जलकुंड में किया जाता है। सावन में दल्लीराजहरा के विभिन्न वार्डों के अलावा कुसुमकसा से भी कांवड़िये यहां जल लेने पहुंचते हैं। धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के बावजूद परिसर के विकास तथा प्राकृतिक जलस्रोतों के संरक्षण की मांग अब तक पूरी नहीं होने का आरोप समिति ने लगाया है।

दिसंबर तक इंतजार, फिर आंदोलन की चेतावनी

समिति के संरक्षक एवं मंदिर प्रभारी रमेश मित्तल ने बताया कि प्राकृतिक झरनों को सुरक्षित रखने और मंदिर परिसर के विकास के लिए नगरपालिका, बीएसपी प्रशासन तथा जिला प्रशासन से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन अब तक ठोस पहल नहीं हुई है। समिति दिसंबर तक संबंधित प्रशासनिक संस्थाओं का इंतजार करेगी। इसके बाद भी काम शुरू नहीं हुआ तो मोहल्लेवासियों के साथ घेराव किया जाएगा। इसके बावजूद सुनवाई नहीं होने पर बिलासपुर उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर की जाएगी। समिति ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया है। समिति में अध्यक्ष महेश सहारे, उपाध्यक्ष प्रीतम साहू, सचिव नरोत्तम सागर, सह सचिव मनीष पाठक, कोषाध्यक्ष सोहन भारद्वाज, सह कोषाध्यक्ष अरुण अरोरा, संगठन मंत्री ठाकुर राम रावटे सहित दिलीप साहू, मनोज जैन, सोनू साहू और महिला समिति के सदस्य शामिल हैं।

दल्लीराजहरा से 22 किमी दूर मां महामाया धाम





दल्लीराजहरा। प्राकृतिक झरनों और हरियाली के बीच स्थित मां महामाया धाम इन दिनों श्रद्धा, आस्था का प्रमुख केंद्र बना है। यहां 22 किमी दूर स्थित यह मंदिर डौंडीलोहारा राजघराने सहित आसपास के 12 गांवों की कुलदेवी के रूप में पूजित है। मंदिर से जुड़ी छह माह रात और छह माह दिन की मान्यता इसे विशिष्ट पहचान देती है। शांत प्राकृतिक वातावरण और प्राचीन धार्मिक परंपराओं के कारण यहां वर्षभर श्रद्धालु पहुंचते हैं।

12 गांवों की कुलदेवी, दशहरे पर चढ़ती है धान की बाली

मां महामाया को कुमुड़कट्टा, इमलीपारा, तूयेदंड, नलकसा, भीड़कापार, नारंगसुर, कोटागांव, ककरेल, बमहनी, महामाया और कुशवाड़ा सहित आसपास के 12 गांवों के लोग कुलदेवी के रूप में पूजते हैं। दशहरे पर मां को नई फसल की धान की बाली अर्पित करने की परंपरा वर्षों से चली आ रही है। शारदीय नवरात्रि की महाअष्टमी पर आसपास के गांवों के श्रद्धालु यहां एकत्र होते हैं और ज्योति कलश विसर्जन की धार्मिक परंपरा निभाते हैं। इस अवसर पर मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में भक्त पहुंचते हैं। **डौंडीलोहारा राजघराने की भी आराध्य देवी:** मां महामाया को डौंडीलोहारा राजघराने की कुलदेवी के रूप में भी विशेष मान्यता प्राप्त है। स्थानीय मान्यता के अनुसार, राजपरिवार शुभ अवसरों पर मां के दर्शन के लिए पहुंचता रहा है। पूर्व विधायक स्वर्गीय लाल महेंद्र सिंह टेकाम के विधानसभा चुनाव में विजय प्राप्त करने के बाद विजय जुलूस की शुरुआत भी मां महामाया के दर्शन से किए जाने का उल्लेख किया जाता है।



धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल हुईं जिपं अध्यक्ष तारणी

हरिभूमि न्यूज. ▶▶| बालोद/कलंगपुर



जिले के विभिन्न ग्रामों में इन दिनों धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम है। इसी क्रम में जिला पंचायत बालोद की अध्यक्ष तारणी पुष्पेन्द्र चंद्राकर ने जिले के कई गांवों में आयोजित कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि और सहभागियों के रूप में शिरकत की। उन्होंने ग्राम जरवाय, कुथरेल, मासूल और हल्दी में आयोजित कार्यक्रमों में पहुंचकर ग्रामीणों के साथ खुशियां साझा कीं और क्षेत्र की सुख–समृद्धि की कामना की।

अपने दौर की शुरुआत करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष तारणी पुष्पेन्द्र चंद्राकर ग्राम जरवाय पहुंचीं, जहां उन्होंने माता सरस्वती मूर्ति पंडाल में आयोजित आरती कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने मां सरस्वती की विधि–विधान से पूजा–अर्चना कर क्षेत्रवासियों की खुशहाली की प्रार्थना की।

इस अवसर पर जनपद सदस्य रामेश्वर चंद्राकर, सरपंच हेमपुष्पा पटेल, उपसरपंच कमलेश देशलहरे, सचिव करुणा रानी, पंचगण सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे। इसके पश्चात उन्होंने ग्राम कुथरेल के माता दुर्गा पंडाल में आयोजित पूजा–अर्चना और आरती में सहभागिता की, यहां भी उन्होंने मां दुर्गा के दर्शन कर क्षेत्र में शांति और समृद्धि का आशीर्वाद मांगा। इसके अलावा ग्राम मासूल में आयोजित पारंपरिक नाचा–गम्मत कार्यक्रम में तारणी पुष्पेन्द्र चंद्राकर ने विशेष रूप से शिरकत की। कलाकारों द्वारा दी गई शानदार प्रस्तुतियों का उन्होंने भरपूर आनंद लिया। उन्होंने छत्तीसगढ़ की लोककला और ग्रामीण संस्कृति को सहेजने तथा आगे बढ़ाने के लिए आयोजन समिति और कलाकारों की मुक्तकंठ से सराहना की। इस दौरान पूर्व जिला पंचायत सदस्य पुष्पेन्द्र चंद्राकर, सरपंच पेमिन दीपक साहू, उपसरपंच नरेन्द्र साहू समेत ग्रामीणजन और उद्घोषक जितेन्द्र साहू उपस्थित थे। इसके साथ ही ग्राम हल्दी में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष तारणी पुष्पेन्द्र चंद्राकर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम में जिला पंचायत सभापति लक्ष्मी अशोक साहू, पूर्व जिला पंचायत सदस्य पुष्पेन्द्र चंद्राकर, जनपद सदस्य अश्वनी कटहरे सहित तमाम सरपंच, पंच और ग्रामवासी उपस्थित रहे। जिला पंचायत अध्यक्ष तारणी पुष्पेन्द्र चंद्राकर ने कहा कि धार्मिक आयोजन हमारी आस्था और संस्कृति की रीढ़ हैं, वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रम हमारी लोक परंपराओं और स्थानीय प्रतिभाओं को एक सशक्त मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से गांवों में आपसी भाईचारा और सामाजिक एकजुटता मजबूत होती है। उन्होंने सभी ग्रामवासियों को आयोजनों की शुभकामनाएं दीं और परंपराओं को निरंतर आगे बढ़ाने का आह्वान किया। दौरे के दौरान विभिन्न ग्रामों के ग्रामीणों ने जिला पंचायत अध्यक्ष का स्वागत किया तथा क्षेत्रीय विकास के मुद्दों एवं विभिन्न विषयों पर उनके साथ सार्थक चर्चा की।

कोनारी में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम मटका फोड़ और कुर्सी दौड़ स्पर्धा हुई

अंडा। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक पांडे, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी अजय साहू एवं उषा झा परियोजना अधिकारी के मार्गदर्शन में ग्राम कोनारी मे आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बेला यादव जनपद सदस्य, झुनिया साहू द्वारा भारत माता के तैल चित्र में दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया।



ग्रामीण महिलाओं द्वारा मटका फोड़, कुर्सी दौड़ ,व्यंजन सजाओ ,रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कुर्सी दौड़ में प्रथम लुमन ठाकुर, द्वितीय चंद्रमणि यादव, मटका फोड़ में प्रथम प्रियंका द्वितीय केसर साहू, रंगोली में प्रथम ओम कुमारी द्वितीय स्थान पर मुस्कान रही। व्यंजन प्रतियोगिता में प्रथम किरण पाल, द्वितीय नेमा साहू रही। कार्यक्रम के तहत दियांश, तुशिका, रेयांश का अन्नप्राशन एवं श्रीमती माया चंद्राकर का गोद भराई किया गया। आंगनबाड़ी के बच्चों द्वारा फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता एवं बाल गीत प्रस्तुत किया गया, उषा झा परियोजना अधिकारी द्वारा गर्भावस्था 1000 दिन पर विस्तृत जानकारी दी गई सेक्टर पर्यवेक्षक ममता साहू द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी एवं स्वास्थ्य विभाग से नवीन बंछोर द्वारा स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता षष्ठ चंद्राकर, सुनीता चंद्राकर, आशा लता दिल्ली वार, हिमानी देवांगन ग्रामीण जन एवं बच्चे उपस्थित थे।

सहायक शिक्षण सामग्री से पढ़ाई को रोचक बना रहीं व्याख्याता हर्षा देवांगन

टटेंगा में टीएलएम के नवाचार से पढ़ाई हुई आसान, देखकर और करके सीख रहे विद्यार्थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डौंडीलोहारा



शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टटेंगा, जिला बालोद में सहायक शिक्षण सामग्री (टीएलएम) के अभिनव प्रयोग से पढ़ाई को सरल, सहज और रुचिकर बनाने की पहल की जा रही है। विद्यालय की व्याख्याता हर्षा देवांगन प्रोजेक्टर, वर्किंग मॉडल, चार्ट और विभिन्न लर्निंग एक्टिविटी के माध्यम से विद्यार्थियों को विषयवस्तु समझा रही हैं। इस नवाचार से विद्यार्थियों में पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ने के साथ ही कठिन विषयों को आसानी से समझने में मदद मिल रही है। विद्यालय के प्राचार्य टी. एल. देवांगन ने बताया कि व्याख्याता हर्षा देवांगन द्वारा टीएलएम का प्रभावी उपयोग कर शिक्षण को अधिक रोचक और परिणामदायी बनाया जा रहा है। दृश्य एवं गतिविधि आधारित शिक्षण पद्धति से विद्यार्थी विषयवस्तु को केवल सुनकर ही नहीं, बल्कि देखकर और स्वयं गतिविधियों में भाग लेकर समझ रहे हैं। इससे उनकी सीखने की क्षमता विकसित होने के साथ कक्षा में सहभागिता भी बढ़ रही है।

हर स्तर के विद्यार्थी को मिल रहा लाभ

वरिष्ठ व्याख्याता चंद्रमणि वासनिक ने कहा कि प्रोजेक्टर, मॉडल और अन्य शिक्षण सामग्री के माध्यम से पढ़ाई कराने से विद्यार्थियों को कठिन अवधारणाओं को समझने में आसानी होती है। प्रायोगिक और गतिविधि आधारित शिक्षण विद्यार्थियों की विषय के प्रति समझ को मजबूत करता है तथा उन्हें सीखने के लिए प्रेरित करता है। व्याख्याता हर्षा देवांगन ने बताया कि टीएलएम के माध्यम से शिक्षण कराने का उद्देश्य प्रत्येक विद्यार्थी की सीखने की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उसे बेहतर तरीके से विषयवस्तु समझाना है। उपचारात्मक शिक्षण की आवश्यकता वाले विद्यार्थियों को इससे विषय समझने में विशेष सहायता मिलती है, वहीं मेधावी विद्यार्थियों को पुनरावृत्ति और अभ्यास का अवसर मिलता है। इस तरह गतिविधि आधारित शिक्षण कक्षा के सभी स्तरों के विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास में सहायक बन रहा है। विद्यालय में किए जा रहे इस नवाचार की सराहना करते हुए रश्मि साहू, चंद्रा देवनाथ, हेपशिबा एंथोनी, पवन सिन्हा, अजय पाठक, रीना बोरकर, भागवत साहू, वेद साहू, महेश रावटे, रवि देवांगन, नीलिमा निर्मलकर, चंद्र प्रकाश सोनबोइर, अनुराधा खरे, सुरेंद्र नेताम एवं कुंदन यादव ने व्याख्याता हर्षा देवांगन को शुभकामनाएं दीं।

स्वास्थ्य सेवाओं की व्यावहारिक कार्यप्रणाली से हुए रूबरू

हेल्थकेयर के विद्यार्थियों ने किया अस्पताल का औद्योगिक भ्रमण



हरिभूमि न्यूज ▶▶| डौंडीलोहारा

शासकीय उच्चतर माध्यध्यमिक विद्यालय डौंडीलोहारा में संचालित व्यावसायिक स्वास्थ्य सेवा विषय के विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से औद्योगिक भ्रमण कराया गया।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, नई दिल्ली के समग्र शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित इस भ्रमण में विद्यार्थियों ने अस्पताल की विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं और मरीजों की देखभाल की प्रक्रिया को करीब से समझा। भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक कार्यप्रणाली से परिचित कराना तथा कक्षा में प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ना था। इस दौरान विद्यार्थियों ने अस्पताल के बाह्य रोगी विभाग, भर्ती मरीजों के विभाग, आपातकालीन चिकित्सा विभाग, प्रयोगशाला सहित अन्य स्वास्थ्य सेवाओं की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी प्राप्त की।

अस्पताल के चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों ने विद्यार्थियों को मरीजों की देखभाल, संक्रमण से बचाव, हाथों की स्वच्छता, प्राथमिक उपचार, चिकित्सा उपकरणों के उपयोग तथा अस्पताल में साफ-सफाई बनाए रखने के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य कर्मचारियों के कार्यों का अवलोकन कर जाना कि मरीजों को उपचार उपलब्ध कराने से लेकर उनकी देखभाल तक विभिन्न विभाग किस प्रकार समन्वय के साथ कार्य करते हैं।

भविष्य के करियर और कौशल विकास के लिए प्रेरणा

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं तथा इस क्षेत्र में कार्य करने के लिए आवश्यक व्यावसायिक कौशलों की जानकारी भी दी गई। इस अनुभव से विद्यार्थियों को स्वास्थ्य सेवाओं की जिम्मेदारियों को समझने और भविष्य में इस क्षेत्र में अपना करियर बनाने के लिए प्रेरणा मिली। साथ ही उनके ज्ञान, आत्मविश्वास और व्यावहारिक समझ में वृद्धि हुई। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. सिद्धार्थ भारद्वाज ने कहा कि इस प्रकार के औद्योगिक भ्रमण विद्यार्थियों के कौशल विकास और व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे विद्यार्थियों को वास्तविक कार्यस्थल की परिस्थितियों को समझने तथा भविष्य में रोजगार प्राप्त करने की तैयारी करने में सहायता मिलती है। विद्यालय की हेल्थकेयर प्रशिक्षक श्रीमती भारती साहू ने भ्रमण के दौरान मार्गदर्शन एवं महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करने वाले सभी चिकित्सा अधिकारियों तथा विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य प्रदीप मेश्राम के प्रति आभार व्यक्त किया।









खबर संक्षेप



नेवारीकला में अटल समरसता भवन निर्माण की मंजूरी

बालोद। विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नेवारीकला में अटल समरसता भवन के निर्माण के लिए 20 लाख की स्वीकृति मिलने पर ग्रामीणों में हर्ष है। अपनी मांग पूरी होने पर ग्राम नेवारीकला के ग्रामीणों ने बुधवार को बालोद विधानसभा क्षेत्र राकेश यादव निवास पहुंचकर उनका आभार जताया। ग्रामीणों के अनुसार करीब चार महीने पहले उन्होंने राकेश यादव को आवेदन सौंपकर ग्राम नेवारीकला में अटल समरसता भवन की स्वीकृति दिलाने की मांग की थी। ग्रामीणों की इस मांग पर पहल करते हुए भवन निर्माण के लिए 20 लाख की स्वीकृति मिली है, इससे गांव में सामाजिक एवं सामुदायिक आयोजनों के लिए भवन उपलब्ध होने की उम्मीद जगी है। ग्रामीणों ने कहा कि अटल समरसता भवन बनने से गांव में सामाजिक, सांस्कृतिक और सार्वजनिक कार्यक्रमों के आयोजन में सुविधा मिलेगी। इस दौरान प्रकाशचंद, भुनेश्वर यादव, हेमराज सोनकर, रामेश्वर कुम्भकार, सरपंच प्रतिनिधि हेमराज सोनकर सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

म्यूल बैंक खाते खरीदने बेचने वाले दो बंदी

भिलाई। म्यूल खाते को खरीदने बेचने वाले दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सुपेला पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर ऑनलाइन सट्टा के लेन-देन में खातों का उपयोग से करने वाले कृष्णा नगर, अंबेडकर चौक, सुपेला नीरज गायकवाड़, पुरानी बस्ती, सतनामी पारा, सुपेला अंशु साव को पकड़ा गया। मोबाइल 4, बैंक पासबुक, तीन एटीएम कार्ड जब्त किया गया है। नीरज और अंशु को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर घटना को अंजाम देना स्वीकार किया।

19 अक्टूबर तक होगा आयोजन, श्रद्धालुओं में दिख रहा विशेष उत्साह

चैतन्य देवियों की भव्य झांकी और शिव ज्ञान प्रदर्शनी, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डौण्डीलोहारा

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय डौण्डीलोहारा के तत्वावधान में रामनगर समता कॉलोनी में चैतन्य देवियों की भव्य झांकी एवं शिव ज्ञान चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। 15 से 19 अक्टूबर तक प्रतिदिन शाम 6:30 बजे से रात 9:30 बजे तक आयोजित इस झांकी को देखने के लिए श्रद्धालुओं और नगरवासियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। लंबे समय बाद नगर में चैतन्य देवियों की झांकी का आयोजन होने से बड़ी संख्या में लोग पहुंचकर देवी स्वरूपों के दर्शन कर रहे हैं।

कार्यक्रम के प्रथम दिवस का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर प्रतिष्ठित व्यवसायी भ्राता फूलचंद डोसी, विक्की लोढ़ा, प्राचार्य टी.आर. रानाडे, अधिवक्ता टुमन लाल साहू, कुष्ठ रोग विभाग की सुपरवाइजर बहन निर्मला पाण्डे, ब्रह्माकुमारीज डौण्डीलोहारा की प्रभारी ब्रह्माकुमारी सीमा दीदी एवं चन्द्रलता दीदी उपस्थित रहीं। झांकी में मां दुर्गा, मां सरस्वती, मां लक्ष्मी, मां काली, मां उमा देवी सहित ब्रह्माकुमारी की आकर्षक चैतन्य झांकियां सजाई गई हैं।



आकर्षक झांकियां और आध्यात्मिक संदेश

देवी स्वरूपों की मनमोहक सजावट के साथ ध्वनि और प्रकाश का सुंदर समायोजन किया गया है, जो दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। झांकी के माध्यम से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभूति के साथ देवी स्वरूपों के दर्शन करने का अवसर मिल रहा है। वहीं शिव ज्ञान चित्र प्रदर्शनी के माध्यम से आध्यात्मिक ज्ञान एवं जीवन मूल्यों से जुड़े संदेश भी दिए जा रहे हैं। आयोजन स्थल पर पहुंच रहे श्रद्धालु झांकियों को निहारने के साथ आध्यात्मिक वातावरण का आनंद ले रहे हैं। ब्रह्माकुमारीज की ओर से कार्यक्रम में शामिल अतिथियों को ईश्वरीय सौगात भेंटकर सम्मानित किया गया। ब्रह्माकुमारी सीमा दीदी ने नगरवासियों से अपील की है कि वे 19 अक्टूबर तक आयोजित इस भव्य चैतन्य देवियों की झांकी एवं शिव ज्ञान चित्र प्रदर्शनी में पहुंचकर दर्शन का लाभ लें और आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करें।

क्षेत्र के मंदिरों में पहुंचीं विधायक संगीता, की पूजा

गुरूर। संजारी बालोद विधायक संगीता सिन्हा नवरात्रि की पंचमी पर क्षेत्र के विभिन्न देवी मंदिरों में पहुंचकर कर विधि–विधान से पूजा अर्चना की। इस दौरान उन्होंने गुरूर ब्लॉक के प्रसिद्ध सियादेवी मां, जंगली भेजा में मां कंकालिन, ग्राम कंकालिन में मां कालीमाता, ग्राम जगतरा में दुर्गा मंदिर, कनेरी स्थित काली मंदिर, गुरूर नगर में शीतला माता मंदिर, बाजार चौक दुर्गा पंडाल, देऊर मंदिर में माता रानी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। विधायक संगीता सिन्हा ने मातारानी से क्षेत्रवासियों की सुख–समृद्धि, खुशहाली एवं उत्तम स्वास्थ की कामना की। नवरात्रि पर उन्होंने सभी क्षेत्रवासियों के जीवन में सुख शांति और समृद्धि बनी रहने की कामना की।



आत्मज्ञान भवन में मां दुर्गा, लक्ष्मी सरस्वती की चैतन्य झांकी



बालोद। नवरात्रि पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय आत्मज्ञान भवन आमापारा बालोद में मां दुर्गा, मां लक्ष्मी, मां सरस्वती, मां काली एवं मां उमा की चैतन्य झांकी का उद्घाटन गणमान्य अतिथियों के करकमलों से हुआ। कार्यक्रम में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. राहुल अग्रवाल, सर्जन डॉ. वेंकटेश्वर अग्रवाल, सेवानिवृत आरटीओ अधिकारी पीआर. चुरेंद्र, सेवानिवृत कार्यपालन यंत्री आरईएस पी.एस. सुधाकर, एपीसी शिक्षा विभाग गेंदलाल खुरश्याम, भ्राता भोपसिंह साहू एवं संचालिका, ब्रह्माकुमारीज बालोद बीके. विजयलक्ष्मी उपस्थित थे। इस अवसर पर अतिथियों ने झांकी की विशेषता और आध्यात्मिक संदेश की सराहना की। डॉ. राहुल अग्रवाल ने कहा कि उन्होंने पहली बार इस तरह की चैतन्य झांकी देखी है, इसे देखकर वे अत्यंत अभिभूत और अनुग्रहित महसूस कर रहे हैं। वहीं डॉ. वेंकटेश्वर अग्रवाल ने कहा कि पहली बार यहां आने का अवसर मिला और सभी के सानिध्य में आकर वे स्वयं को अनुग्रहित अनुभव कर रहे हैं।

गेंदलाल खुरश्याम ने कहा कि उस दिव्य शक्ति परमात्मा से ऊर्जा प्राप्त करके ही इतनी एकाग्रता हासिल की जा सकती है। चैतन्य झांकी में प्रदर्शित एकाग्रता और आध्यात्मिकता वास्तव में आत्मिक शक्ति एवं राजयोग के महत्व को दर्शाती है। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी विजयलक्ष्मी ने संक्षिप्त रूप में पांचों देवियों का आध्यात्मिक रहस्य समझाते हुए कहा कि देवी स्वरूपों की आराधना का वास्तविक उद्देश्य उनके दिव्य गुणों को अपने जीवन में धारण करना है। मां दुर्गा साहस एवं शक्ति, मां लक्ष्मी सुख–समृद्धि, मां सरस्वती ज्ञान एवं विवेक, माँ काली विकारों पर विजय और माँ उमा पवित्रता एवं तपस्या की प्रेरणा

पंचमी पर विधायक अनिला भेड़िया ने कराया पूड़ी-हलवा का भंडारा



डौंडीलोहारा। शक्ति, साधना और भक्ति के पावन पर्व शारदीय नवरात्रि के अवसर पर पंचमी तिथि को मां भगवती के दर्शन के लिए पदयात्रा पर निकले श्रद्धालुओं की सेवा के लिए क्षेत्र की विधायक एवं छत्तीसगढ़ शासन की पूर्व महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री अनिला भेड़िया द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान मां के दर्शन के लिए जाने वाले क्षेत्र के श्रद्धालुओं एवं पदयात्रियों के लिए श्रद्धापूर्वक पूड़ी-हलवा की व्यवस्था की गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। नवरात्रि के भक्तिमय वातावरण में आयोजित इस सेवा कार्य ने श्रद्धालुओं के बीच आत्मीयता और अपनत्व का भाव जगाया। मां भगवती के जयकारों से गूंजते माहौल में पदयात्रियों ने प्रसाद ग्रहण किया और आयोजन के प्रति आभार व्यक्त किया। धार्मिक आस्था के साथ जनसेवा का यह संगम नवरात्रि पर्व की महत्ता को और भी विशेष बनाता नजर आया। इस अवसर पर विधायक अनिला भेड़िया ने मां भगवती के चरणों में शीश नवाकर क्षेत्रवासियों की सुख-शांति, समृद्धि, खुशहाली और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इस सेवा कार्य में विधायक अनिला भेड़िया के साथ प्रदेश प्रतिनिधि कांग्रेस कमेटी एवं वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता अनिल लोढ़ा, पूर्व जनपद सदस्य एवं वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता माधव गिरी गोस्वामी, विधायक प्रतिनिधि गोविंद चंद्राकर, वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता जतिन भेड़िया एवं मूलचंद शर्मा सहित कार्यकर्ता रवि साहू और अन्य श्रद्धालुओं का सहयोग रहा। सभी के सामूहिक प्रयासों से धार्मिक आस्था के साथ जनसेवा की भावना को भी साकार किया गया।

पांगरी में कवियों ने रचनाओं से बांधा समां



अंडा। दुर्गोत्सव समिति बाजार ग्राम पांगरी में आंचलिक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें मुरलीधर दास मानिकपुरी ने गुरु वंदना कर सनातन संस्कृति के साथ आचरण में शुद्धता का संदेश दिया। आकाशवाणी गीतकार शिव कुमार अंगारे ने धरती के सिंगार गीत के रूप में प्रस्तुत कर छत्तीसगढ़ की पारम्परिक त्योहारों का वर्णन किया। केशव राम साहू ने परम पूज्य गुरु घासीदास बाबा की स्तुति अपनी कविता के माध्यम से प्रस्तुत कर सामाजिक समरसता का संदेश दिया। विजय कुमार टंडन ने जन्मभूमि को न भूलने की बात की। योगेश छत्तीसगढ़िया ने हास्य के माध्यम से लोगों को खूब हास्य। सुंदरलाल गंधर्व ने स्वच्छता पर्यावरण पर काव्य पाठ किया। श्रीमती कुसुम साहू ने बहनों को का हिम्मत बढ़ाते हुए आगे बढ़ने की प्रेरणा दिया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सरपंच प्रमोद पटेल, मोंटू चंद्राकर, रमेश रात्रे, नारायण बंजारे, अवधेश यादव, निर्भय राम ठाकुर, रोशन निषाद, अशोक पटेल, हरि सिंह मौर्य, रोहित खरे, केशव ठाकुर, सुकून टंडन आदि ग्राम वासियों के साथ महिलाओं की अच्छी उपस्थिति रही कवि सम्मेलन का भरपूर आनंद लिया।

गोडेला स्कूल में दुर्गोत्सव पर जसगीत से गूंजा विद्यालय

लोककला और भारतीय संस्कृति के संरक्षण की अनूठी पहल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंडा

भारतीय कला, संस्कृति एवं लोकपरंपराओं से नई पीढ़ी को परिचित कराने तथा सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने के उद्देश्य से गुरु बालक दास शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला गोडेला में प्रतिभा त्रिपाठी के मार्गदर्शन में नवरात्रि के अवसर पर नवदुर्गा के नौ स्वरूपों की आकर्षक प्रस्तुति एवं पारंपरिक जसगीत गायन का आयोजन किया गया। इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, धार्मिक आस्था, लोकसंगीत और सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने का सार्थक प्रयास किया गया। विद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

तारिणी, धनेश्वरी, चेतना, पूनम, किरण, किंजल, वेदिका, खुश्बू, निधि एवं प्रियांशी ने नवदुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को आकर्षक बनाया। विद्यार्थियों की सहभागिता ने यह संदेश दिया कि हमारी सांस्कृतिक परंपराएं केवल उत्सवों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे हमारी पहचान, संस्कार और जीवन मूल्यों का महत्वपूर्ण आधार हैं।



पंचमी पर पारंपरिक जसगीत ने बांधा समां: नवरात्रि की पंचमी के अवसर पर विद्यालय में पारंपरिक जसगीत गायन का आयोजन भी किया गया। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक जसगीत श्रद्धा, भक्ति और सामूहिक सहभागिता का सुंदर माध्यम बना। विद्यालय की रसोइया सीमा साहू ने जसगीत का गायन किया, जिसमें छात्राओं शालिनी, सोनम एवं धनेश्वरी ने स्वर मिलाकर सहभागिता निभाई। वहीं ढोलक पर संस्था प्रमुख रमेश कुमार हिरवानी तथा विद्यार्थी रोहन और मुनेश ने संगत देकर कार्यक्रम में लोकसंगीत की जीवंतता भर दी।

सभी बच्चों ने मिलकर जसगीत का आनंद लिया और भक्ति एवं लोकपरंपरा से जुड़े इस सांस्कृतिक अनुभव का हिस्सा बने। इस आयोजन में विद्यालय के शिक्षक शोभाराम देवांगन, सनत देशमुख एवं संतोष शर्मा ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। गुरु बालक दास शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला गोडेला में आयोजित यह कार्यक्रम भारतीय संस्कृति के संरक्षण, छत्तीसगढ़ की लोकपरंपराओं के संवर्धन तथा विद्यार्थियों में सांस्कृतिक चेतना विकसित करने की दिशा में एक सराहनीय पहल है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक पहचान से जोड़ते हुए परंपरा और आधुनिक शिक्षा के बीच एक सुंदर सेतु का निर्माण करते हैं।

संस्था प्रमुख रमेश कुमार हिरवानी ने बताया मां दुर्गा के नौ स्वरूपों का महत्व

कार्यक्रम के दौरान संस्था प्रमुख रमेश कुमार हिरवानी ने माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को शक्ति, साहस, ज्ञान, करुणा और सदाचार जैसे जीवन मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों को अपनी संस्कृति और परंपराओं को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। विद्यालय में प्रतिवर्ष इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन किए जाते हैं। प्रतिभा त्रिपाठी द्वारा नवदुर्गा के स्वरूपों में सजने वाली छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कृत भी किया जाता है, जिससे बच्चों में कला के प्रति रुचि, आत्मविश्वास और रचनात्मकता विकसित होती है।

बैंक खातों के दुरुपयोग के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। म्यूल खाता मामले में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। खुर्सीपार पुलिस ने बताया कि बालाजी नगर खुर्सीपार निवासी तरुण कुमार, शंकर नगर मोहन नगर गौरव साहू, शिवाजी नगर खुर्सीपार जसमीत सिंह, एसटीएफ कॉलोनी बघेरा निखिल नेम, मछली मार्केट खुर्सीपार नरगिस बानो को पकड़ा गया है। इंडियन बैंक के 81 खातों के दुरुपयोग से जुड़े प्रकरण में गृह मंत्रालय के समन्वय पोर्टल से जानकारी के आधार पर अपराध दर्ज किया गया था। बैंक खातों के माध्यम से साइबर ठगी की रकम मिलने पर कमीशन के बदले ट्रांसफर करने की गतिविधि में शामिल लोगो की जानकारी जुटाई गई। विवेचना के दौरान सामने आया कि कुछ खाताधारक अपने बैंक खातों को साइबर ठगी में शामिल व्यक्तियों को उपलब्ध कराते थे।





